''नए युग में भारतीय उपभोक्ता और आम आदमी के समक्ष चुनौतियां व चिंताएं, मीडिया व उपभोक्ता कार्यकर्ताओं के आपसी समन्वय से पूर्ण व दूर होगी''
– प्रज्ञा पालीवाल गौड़

जयपुर, अक्टूबर 25, 2010।

''उपभोक्ताओं की जागरूकता के लिए संचार माध्यमों को एवं उपभोक्ता संस्थाओं को एक मंच पर लाना है ताकि आपसी समन्वय से उपभोक्ताओं के मुद्दों को उठाया जा सके।'' ये विचार आज 'कट्स' की तीन वर्षीय ''ग्रासरूट रीचआउट एण्ड नेटवर्किंग इन राजस्थान थ्रू कन्ज्यूमर एक्शन'' (ग्रेर्निका) परियोजना के अन्तर्गत की गई मीडिया–परामर्श कार्यशाला में श्रीमती प्रज्ञा पालीवाल गौड़, निदेशक, दूरदर्शन केन्द्र, जयपुर ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर व्यक्त किए। उन्होंने मीडिया कार्यशाला में उपस्थित पत्रकार प्रतिनिधियों को बताया कि समाचार पत्रों में केवल उपभोक्ता सम्बन्धित फैसले ही प्रकाशित होते हैं, जबकि पीड़ित उपभोक्ता की सम्पूर्ण शिकायत का भी कहानी के रूप में उल्लेख किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम के लिए जिला स्तर स्थानीय टी.वी. चैनलों को भी जोड़ना चाहिए। आज के दौर में सबसे ज्यादा उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी वित्तीय सेवाओं में हो रही है, इसके प्रति भी जागरूकता का संचार आवश्यक है।

इससे पूर्व 'कट्स' के निदेशक जॉर्ज चेरियन ने उपभोक्ता परिदृश्य के बारे में बताते हुए मौजूदा दौर में उपभोक्ताओं द्वारा जिन जटिल मुद्दों व समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। चेरियन ने उपभोक्ता संरक्षण परिषद् का गठन नहीं होना, उपभोक्ता मंचों में देरी, उपभोक्ता निदेशालय की निष्क्रियता, उपभोक्ता मामलों के लिए अलग विभाग का ना होना, उपभोक्ता हेल्पलाईन का ना होना आदि मुद्दें उठाएं। उन्होंने बताया कि परियोजना की एक वर्ष की अवधि में राज्य के बारह जिलों में संस्था द्वारा विभिन्न गतिविधियां की गई हैं। इन गतिविधियेां के दौरान उपभोक्ताओं के माध्यम से बहुत सारे ज्वलंत मुद्दें उभर कर आये हैं। इन मुद्दों पर आज की कार्यशाला में चर्चा कर प्राप्त सुझावों को सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

कार्यशाला में वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र बोड़ा ने बताया कि आज उपभोक्ता को राजा माना जाता है, पर आज राजा ही ठगा जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज के दौर में यदि उपभोक्ता अपने साथ हुए शोषण के विरूद्ध आवाज उठाता है तो उसकी जीत अवश्य है। उपभोक्ताओं के साथ हो रहे शोषण को रोकने के लिए संचार माध्यमों एवं उपभोक्ता संस्थाओं की साझेदारी एवं समन्वय आवश्यक है।

कार्यशाला में उप–निदेशक, बाट व माप विभाग के श्री पी.एन. पांडे ने कहा कि राज्य में उपभोक्ताओं के हितार्थ एक अलग से विभाग होना चाहिए, जहां पर उपभोक्ता अपनी बाट माप संबंधी शिकायतों को दर्ज करा सके। उन्होंने कहा कि राज्य में उनका विभाग समय समय पर बाट माप की जांच करवाता है, फिर भी कर्मचारियों की कमी के कारण से यह कार्य सुचारू रूप से नहीं होता है। पांडे ने अपने उद्बोधन में बाट एवं माप विभाग की व्यथा का वर्णन करते हुए बताया कि करीब करीब सभी राज्य सरकारें इसको एक अर्थहीन विभाग मानकर चलती है तथा परिणामस्वरूप इसके माध्यम से अपेक्षा अनुरूप परिणाम सामने नहीं आ पाते।

कार्यशाला में 'दि हिन्दु' के प्रधान संवाददाता सन्नी सेबस्टियन ने कहा कि मीडिया को भी उपभोक्ता संरक्षण में अहम् भूमिका अदा करनी चाहिए। 'द पायोनियर' के वरिष्ठ पत्रकार श्री लोकपाल सेठी, ने कहा कि उपभोक्ताओं को अपने साथ हुए शोषण के विरूद्ध शिकायत अवश्य करनी चाहिए। अगर शिकायत करते हैं तो कार्यवाही अवश्य होगी और न्याय प्राप्त होगा।

'नफा नुकसान' के मुख्य कार्यकारी श्री जयसिंह कोठारी ने अपने उद्बोधन में उपभोक्तावाद का आर्थिक विश्लेषण करते हुए उदारीकरण के दौर का जिक्र किया तथा इस दौर में उपभोक्ता को किन–किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है । कोठारी ने मौजूदा समय के नये उपभोक्ता मुद्दों जैसे वायदा कारोबार व उससे जुड़ी हुई जटिल समस्याओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, नरेगा आदि को भी उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करते हुए उपभोक्ता संरक्षण के साथ जोड़ा।

राजस्थान पत्रिका के सीनियर संवाददाता श्री विमल जैन ने भारतीय उपभोक्ताओ के व्यवहार के बारे में बताते हुए कहा कि किस प्रकार उपभोक्ता स्वयं ही कई समस्याओं का कारण है और इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए उसको अपने व्यवहार में परिवर्तन लाना पड़ेगा, विशेषकर उपभोक्तावाद के मौजूदा परिदृश्य को देखते हुए।

प्रारम्भ में 'कट्स' के कार्यक्रम अधिकारी दीपक सक्सेना ने परियोजना के बारे में विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया तथा परियोजना के अन्तर्गत भावी गतिविधियों के बारे में बताया। 'कट्स' के ही अमरजीत सिंह ने परियोजना के अन्तर्गत किए गए शोध के परिणामों का विश्लेषण प्रस्तुतिकरण के माध्यम से दिया। कार्यक्रम में परियोजना के अन्तर्गत प्रकाशित दो महत्वपूर्ण दस्तावेज 'ट्रेनिंग मेन्युअल' व 'रिसर्च डोक्यूमेन्ट' को मुख्य अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया।

कार्यक्रम में लगभग 50 की संख्या में बारह जिलों के परियोजना पार्टनर तथा इन्हीं जिलों के मीडिया कर्मियों के अतिरिक्त जयपुर के छोटे व बड़े समाचार पत्रों व इलेक्ट्रोनिक चैनल के मीडिया कर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया तथा अंत में कई महत्वपूर्ण व रोचक प्रश्न भी पूछे। श्री अर्जुन कांत झा ने कार्यक्रम में सभी संभागियों को धन्यवाद दिया।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:
दीपक सक्सेना (93513 66827) / अमरजीत सिंह (98290 15812)
'कट्स' सेंटर फॉर कन्ज्यूमर एक्शन, रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग
डी– 222, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर– 302 016
दूरभाषः 91–.5133259, 2282821 / 2282482
फैक्सः 91–141–4015395
ईमेलः granirca@cuts.org ; cart@cuts.org
osclkbV% http:/www.cuts-international.org/cart/Granirca